तमिलनाडु केन्द्रीय विश्वविद्यालय
CENTRAL UNIVERSITY OF TAMIL NADU
हिन्दी विभाग / DEPARTMENT OF HINDI

एम.ए. हिन्दी – पाठ्यक्रम
M.A. Hindi - Syllabi

क्रमांक SI No.	पाठ्यक्रम कोड Course Code	पाठ्यक्रम विवरण Course Details	अंक Marks	क्रेडिट Credit	
प्रथम सत्र / FIRST SEMESTER					
1.	HIN411	हिन्दी साहित्य का इतिहास – I (आदिकाल एवं मध्यकाल) History of Hindi Literature – I (Ancient and Medieval Times)	40 60	4	अनिवार्य
2.	HIN412	हिन्दी भाषा का इतिहास और संरचना History of Hindi Language and Structure	40 60	3	अनिवार्य
3.	HIN413	मध्यकालीन हिन्दी काव्य Medieval Hindi Poetry	40 60	4	अनिवार्य
4.	HIN414	आधुनिक हिन्दी गद्य – I (उपन्यास, कहानी) Modern Hindi Prose-I (Fiction, Story)	40 60	4	अनिवार्य
		Total Credits for the Semester		**15**	
द्वितीय सत्र / SECOND SEMESTER					
1.	HIN421	प्रयोजनमूलक हिन्दी और अनुवाद Functional Hindi and Translation	40 60	4	अनिवार्य
2.	HIN422	हिन्दी साहित्य का इतिहास – II (आधुनिक काल) History of Hindi Literature – II (Modern Times)	40 60	4	अनिवार्य
3.	HIN423	आधुनिक हिन्दी काव्य Modern Hindi Poetry	40 60	4	अनिवार्य
4.	HIN424	आधुनिक हिन्दी गद्य – II (नाटक, निबंध, यात्रा वृत्तांत, आत्मकथा, जीवनी) Modern Hindi Prose-II (Drama, Essay, Travalogue, Autobiography, Biography)	40 60	4	अनिवार्य
5.	HIN425	भाषा विज्ञान Linguistics	40 60	3	अनिवार्य
		Total Credits for the Semester		**19**	

तमिलनाडु केन्द्रीय विश्वविद्यालय
CENTRAL UNIVERSITY OF TAMIL NADU
हिन्दी विभाग / DEPARTMENT OF HINDI
एम.ए. हिन्दी – पाठ्यक्रम
M.A. Hindi – Syllabi

क्रमांक SI No.	पाठ्यक्रम कोड Course Code	पाठ्यक्रम विवरण Course Details	अंक Marks	क्रेडिट Credit	
तृतीय सत्र / THIRD SEMESTER					
1.	HIN431	भारतीय काव्यशास्त्र Indian Poetics	40 60	4	अनिवार्य
2.	HIN432	पाश्चात्य काव्यशास्त्र Western Poetics	40 60	4	अनिवार्य
3.	HIN433	भारतीय साहित्य Indian Literature	40 60	4	अनिवार्य
4.	HIN434	आधुनिक विमर्श और हिन्दी साहित्य Modern Discourses and Hindi Literature	40 60	4	अनिवार्य
5.*	HIN435 (I) HIN435 (II) HIN435 (III) HIN435 (IV) HIN435 (V) HIN435 (VI)	(I) अनुवाद : सिद्धान्त और प्रयोग Translation : Theory and Usage (II) हिन्दी–तमिल व्यतिरेकी विश्लेषण Hindi-Tamil Contrastive Analysis (III) भाषिक अनुप्रयोग, कोश और शब्द–संग्रह (कॉर्पस) विकास Linguistic Applications, Thesaurus and Corpus Development (IV) दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन Audio-Visual Media Writing (V) हिन्दी–तमिल साहित्यः तुलनात्मक अध्ययन Hindi-Tamil Literature : Comparature Studies (VI) तमिल भाषा और साहित्य Tamil Language and Literature	40 60	4	वैकल्पिक
		Total Credits for the Semester		**20**	
चतुर्थ सत्र / FOURTH SEMESTER					
1.	HIN441	विश्व साहित्य World Literature	40 60	4	अनिवार्य
2.	HIN442	हिन्दी शिक्षण Hindi Teaching	40 60	3	अनिवार्य
3.	HIN443	पाठ विश्लेषण, लेखन और सम्प्रेषण Text Analysis, Academic Writing and Communication	40 60	3	अनिवार्य

तमिलनाडु केन्द्रीय विश्वविद्यालय
CENTRAL UNIVERSITY OF TAMIL NADU
हिन्दी विभाग / DEPARTMENT OF HINDI

एम.ए. हिन्दी – पाठ्यक्रम
M.A. Hindi – Syllabi

क्रमांक SI No.	पाठ्यक्रम कोड Course Code	पाठ्यक्रम विवरण Course Details	अंक Marks	क्रेडिट Credit	
4.*	HIN444 (I) HIN444 (II) HIN444 (III) HIN444 (IV) HIN444 (V)	(I) संस्कृत साहित्य का इतिहास History of Sanskrit Literature (II) भक्ति साहित्य Bhakti Literature (III) छायावाद Romanticism (IV) हिन्दी कथा साहित्य Hindi Fiction (V) साहित्य अध्ययन की आलोचना दृष्टियाँ और हिन्दी आलोचना Critical Approchases to Literary Studies and Hindi Criticism	40 60	4	वैकल्पिक
5.*	HIN445 (I) HIN445 (II) HIN445 (III) HIN445 (IV) HIN445 (V) HIN (VI)	(I) हिन्दी पत्रकारिता एवं संचार माध्यमों में हिन्दी Hindi Journalism and Hindi in Media (II) हिन्दी सिनेमा अध्ययन Hindi Cinema Studies (III) पारिस्थितिकीय विमर्श और हिन्दी साहित्य Ecological Discourse and Hindi Literature (IV) नाटक और रंगमंच Drama and Theatre (V) हिन्दीतर क्षेत्रों का हिन्दी साहित्य (अखिल भारतीय और प्रवासी) Hindi Literature of Non-Hindi Areas (All India and Non-Residant Indians) (VI) तमिल साहित्य का इतिहास History of Tamil Literature	40 60	4	वैकल्पिक
		Total Credits for the Semester		**18**	

नोट :

* उपर्युक्त विकल्पों में से कम से कम एक इकाई का चयन किया जा सकता है। विद्यार्थी उपलब्ध इकाइयों में एकाधिक इकाइयों का चयन भी कर सकते हैं।

तमिलनाडु केन्द्रीय विश्वविद्यालय
हिन्दी विभाग
एम.ए. हिन्दी – प्रथम सत्र
प्रश्नपत्र 1 – हिन्दी साहित्य का इतिहास–I (आदिकाल एवं मध्यकाल)

1. साहित्य का इतिहास–दर्शन, साहित्य के इतिहास–लेखन की पद्धतियाँ, हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल–विभाजन और नामकरण, हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की परम्परा।

   आदिकाल : आदिकालीन परिस्थितियाँ (सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक और सांस्कृतिक), सिद्ध और नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य, आरंभिक गद्य और लौकिक साहित्य, अमीर खुसरो की हिन्दी कविता, विद्यापति और उनकी पदावली, भक्ति काव्य की पूर्व पीठिका।

2. **भक्तिकाल** : भक्ति आन्दोलन के उदय की पृष्ठभूमि, प्रमुख निर्गुण एवं सगुण सम्प्रदाय, प्रमुख सम्प्रदाय और आचार्य, भक्ति आन्दोलन का अखिल भारतीय स्वरूप और उसका अंतःप्रादेशिक वैशिष्ट्य।

3. **हिन्दी संत काव्य** का वैचारिक आधार, प्रमुख निर्गुण संत कवि कबीर, नानक, दादू, रैदास; संत काव्य की प्रमुख विशेषताएँ।

   हिन्दी सूफी काव्य का वैचारिक आधार, हिन्दी के प्रमुख सूफी कवि और काव्य– मुल्ला दाऊद, कुतुबन, मंझन, मलिक मोहम्मद जायसी, सूफी प्रेमाख्यानों का स्वरूप, हिन्दी सूफी काव्य की प्रमुख विशेषताएँ।

4. **हिन्दी कृष्ण काव्य** : विविध सम्प्रदाय, वल्लभ सम्प्रदाय, अष्टछाप, प्रमुख कृष्ण भक्त कवि और काव्य, सूरदास, नंददास, मीरा, रसखान, भ्रमरगीत परंपरा और गीति परंपरा।

   हिन्दी राम काव्य : विविध सम्प्रदाय, रामभक्ति शाखा के कवि और काव्य, तुलसभ्च्छास की प्रमुख कृतियाँ, काव्य रूप और उनका महत्व।

5. **रीतिकाल** : सामाजिक–सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य, रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, रीतिकालीन कवियों का आचार्यत्व, रीतिमुक्त काव्यधारा, रीतिकाल के प्रमुख कवि : केशवदास, मतिराम, भूषण, बिहारीलाल, देव, घनानंद और पद्माकर, रीतिकाल में लोकजीवन।

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य की भूमिका – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ. रामकुमार वर्मा
4. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र
6. हिन्दी साहित्य का वृहत् इतिहास – भाग 4–5 – देवेंद्रनाथ शर्मा, दीनदयाल गुप्ता, विजयेन्द्र स्नातक
7. हिन्दी साहित्य का वृहत् इतिहास – भाग 6 – डॉ. भागीरथ मिश्र
8. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह
9. हिन्दी काव्य की सामाजिक भूमिका – शम्भूनाथ सिंह
10. रीतिकाल की भूमिका – डॉ. नगेन्द्र
11. हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास – सुमन राजे
12. हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास – शिवकुमार मिश्र
13. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग 1–2) – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

तमिलनाडु केन्द्रीय विश्वविद्यालय
हिन्दी विभाग
एम.ए. हिन्दी – प्रथम सत्र
प्रश्नपत्र 2 – हिन्दी भाषा का इतिहास और संरचना

हिन्दी भाषा का इतिहास

हिन्दी भाषा : अर्थ एवं स्वरूप : हिन्दी से तात्पर्य – हिन्दी का जनपदीय, राष्ट्रीय और अर्न्तराष्ट्रीय संदर्भ, हिन्दी भाषा और हिन्दी क्षेत्र की प्रमुख भाषाएँ/बोलियाँ, हिन्दी भाषा का इतिहास, आधुनिक युग में हिन्दी भाषा का इतिहास – देवनागरी लिपि का विकास

हिन्दी भाषा को संरचना

1. ध्वनि संरचना – स्वर तथा व्यंजन ध्वनियाँ – वर्गीकरण – हिन्दी की आगत ध्वनियाँ – नव विकसित ध्वनियाँ – खण्डेतर ध्वनियाँ – अक्षर और अक्षरिक संरचना – बल और बलाघात – सुर तान और अनुतान – दीर्घता – अनुनासिकता – संहिता या संगम – स्वनिम विज्ञान और निष्पादक स्वनिम विज्ञान – स्वनमिक नियम – हिन्दी की स्वनमिक समस्याएँ – अ – लोप की समस्याएँ – उक्षिप्त ध्वनियों की समस्या – महाप्राण ध्वनियों की समस्या

2. रूप शब्द और पद की संरचना – रूप की संकल्पना – प्रकार – रूप साधक और शब्द साधक रूप – रूपिम की संकल्पना – शब्द – विलोम, समरूपी, अनेकार्थी – शब्द निर्माण की प्रक्रिया – प्रकार – शब्द वर्ग – पद की संकल्पना

3. वाक्य की संरचना – भाषा संरचना में वाक्य – वाक्य का स्वरूप अध्ययन के उपागम – अर्थपरक इकाई के रूप में, संरचनापरक इकाई के रूप में व्याकरणिक, मनोवैज्ञानिक, संदर्भपरक इकाई के रूप में – वाक्य संरचना के स्तर – पदबंध, उपवाक्य – वाक्यात्मक युक्तियाँ – शब्दक्रम, पदक्रम, कारक संबंध, अन्विति, अर्थसंगति, अध्याहार, अल्पांग वाक्य

   वाक्य संरचना – वाक्य साँचे की संकल्पना – प्रकार्य स्थान – वाक्य विन्यासात्मक संबंध – रूपावली संबंध – अनिवार्य तथा ऐच्छिक घटक – आधारभूत वाक्य – स्वरूप और विश्लेषण – आधारभूत वाक्यों के प्रकार्य – कोप्युला वाक्य साँचा, को वाक्य साँचा – क्रिया प्रधान वाक्य – व्युत्पन्न वाक्य साँचे – पदबंध का विस्तार – ऐच्छिक घटकों का योग – लोप प्रक्रिया – रूपांतरण प्रक्रिया

4. अर्थ संरचना – अर्थ की प्रकृति – नाम और रूप – अर्थ ग्रहण की प्रक्रिया – अर्थीय घटक – अर्थीय क्षेत्र – अर्थीय संबंध, पर्यायता, अनेकार्थता – अनेकार्थता की स्थिति में अर्थ निर्धारण – विलोमता (ध्रुवीय, क्रमकीय, संबंधी, अनुवर्ती, मापक्रमीय) – वाक्य स्तर पर अर्थ विवेचन – वाक्यार्थ बोध की प्रक्रिया

5. प्रोक्ति विश्लेषण – भाषा प्रकार्य – ब्यूलर – याकोबसन – हेलिडे – भारतीय मीमांसा में भाषा का प्रकार्य – प्रोक्ति का स्वरूप – विश्लेषण – सामाजिक परिवेश – संबंध – प्रस्थिति – प्रयोजन – व्यवहार के प्रेर्टन – अभिव्यक्ति शैली – पाठ – संशक्ति – पाठ विश्लेषण।

सहायक ग्रंथ :

1. सूरजभान सिंह (1991) : हिन्दी भाषा : संदर्भ और संरचना, साहित्य सहकार, 29/62–बी, गली–1 विश्वासनगर, शाहदरा, दिल्ली–110 032।
2. सूरजभान सिंह (1985, 1992) : हिन्दी का वाक्यात्मक व्याकरण, साहित्य सहकार, ई/10–4, कृष्णनगर, दिल्ली–110 005।
3. हिन्दी वाक्यविन्यास (प्र.सं. 2002) आलेग ग.उलत्सिफेरोव (संपादन. गंगाप्रसाद विमल), किताबघर प्रकाशन, 24, अंसारी रोड, दरियागंज, नयी दिल्ली–110 002।
4. हिन्दी ध्वनिकी और ध्वनिमी (प्र.सं. 1980) रमेश चन्द्र महरोत्रा, मुन्शीराम मनोहरलाल, 54 रानी झाँसी मार्ग, नयी दिल्ली।
5. हिन्दी भाषा का इतिहास – धीरेन्द्र वर्मा
6. भारतीय आर्य भाषाएँ और हिन्दी – सुनीतिकुमार चटर्जी
7. हिन्दी साहित्य का वृहत् इतिहास – धीरेन्द्र वर्मी, भाषा खंड, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
8. हिन्दी – उद्भव विकास और रूप – हरदेव बाहरी
9. हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास – उदयनारायण तिवारी
10. नागरी लिपि का उद्भव और विकास – ओमप्रकाश भाटिया
11. हिन्दी भाषा – भोलानाथ तिवारी
12. हिन्दी भाषा का परिचय
13. हिन्दी भाषा इतिहास – लक्ष्मी सागर, वार्ष्णय
14. हिन्दी की शब्द सम्पदा – विद्यानिवास मिश्र
15. हिन्दी भाषा का विकासात्मक इतिहास – द्वारिका प्रसाद सक्सेना
16. हिन्दी व्याकरण – कामताप्रसाद गुरू
17. भाषाविज्ञान के सिद्धान्त और हिन्दी भाषा – द्वारिका प्रसाद सक्सेना
18. भाषाविज्ञान और हिन्दी – सूरजप्रसाद अग्रवाल
19. हिन्दी का वाक्यात्मक व्याकरण – सूरजभान सिंह

तमिलनाडु केन्द्रीय विश्वविद्यालय
हिन्दी विभाग
एम.ए. हिन्दी – प्रथम सत्र
प्रश्नपत्र 4 – मध्यकालीन हिन्दी काव्य

(क)

1. विद्यापति – विद्यापति पदावली, सं.–रामवृक्ष बेनीपुरी (कुल 15 पद व्याख्या के लिए)
2. कबीर – सं. हजारीप्रसाद द्विवेदी – दोहा सं. 160–185 (कुल 25 पद व्याख्या के लिए)
3. जायसी ग्रंथावली – सं. रामचंद्र शुक्ल – नागमती वियोग खण्ड (व्याख्या के लिए)
4. सूरदास – 'भ्रमरगीत सार' – सं. रामचंद्र शुक्ल – पद 45 से 70 (25 व्याख्या के लिए)
   तुलसभ्च्छास – 'रामचरित मानस' – उत्तरकांड, गीता प्रेस, गोरखपुर (व्याख्या के लिए)
5. बिहारीलाल – 'बिहारी रत्नाकर', सं. जगन्नाथदास रत्नाकर (चुने हुए 25 दोहे व्याख्या के लिए)
   घनानंद – 'घनानंद कवित्त', सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (कोई 25 छंद व्याख्या के लिए)

(ख)

1. विद्यापति – संधिकाल के कवि, शृंगार, भक्ति, समाज दर्शन, भाषा
2. कबीर – भक्ति भावना, समाज दर्शन, विद्रोह की भावना, काव्य कला
3. जायसी – प्रेम भावना, लोक तत्व, कथानक रूढ़ि, काव्य दृष्टि
4. सूरदास – भक्ति भावना, वात्सल्य वर्णन, गीति तत्व
5. तुलसभ्च्छास – भक्ति भावना, सामाजिक–सांस्कृतिक दृष्टि, लोकमंगल, काव्य दृष्टि
6. बिहारी – सौंदर्य भावना, बहुज्ञता, काव्य–कला
7. घनानंद – स्वच्छन्द योजना, प्रेम व्यंजना, काव्य दृष्टि

सहायक ग्रंथ :

1. कबीर – हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. कबीर साहित्य की परख, परशुराम चतुर्वेदी
3. कबीर – सं. विजयेन्द्र स्नातक, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
4. सूफीमत – साधना और साहित्य – रामपूजन तिवारी, ज्ञान मण्डल, वाराणसी
5. जायसी – विजयदेव नारायण साही – हिन्दुस्तानी अकादेमी, इलाहाबार
6. सूरदास – रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा
7. सूर साहित्य – हजारीप्रसाद द्विवेदी
8. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य – मैनेजर पाण्डेय
9. तुलसभ्च्छास – माताप्रसाद गुप्त, हिन्दी परिषद, प्रयाग
10. लोकवादी तुलसभ्च्छास – विश्वनाथ त्रिपाठी, लोकभारती प्रकाशन
11. कबीर का रहस्यवाद – डॉ. रामकुमार वर्मा
12. सूरदास – बृजेश्वर वर्मा
13. तुलसी आधुनिक वातायन से – रमेश कुन्तल मेघ
14. बिहारी का नवमूल्यांकन – डॉ. बच्चन सिंह
15. लोकवादी तुलसभ्च्छास – विश्वनाथ त्रिपाठी

तमिलनाडु केन्द्रीय विश्वविद्यालय
हिन्दी विभाग
एम.ए. हिन्दी – प्रथम सत्र
प्रश्नपत्र 5 – आधुनिक हिन्दी गद्य – I (उपन्यास, कहानी)

(क) उपन्यास

1. 'गोदान' – प्रेमचंद
   'शेखर एक जीवनी' (भाग 1) – अज्ञेय
2. 'बाणभट्ट की आत्मकथा' – हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. 'मैला आँचल' – फणीश्वरनाथ रेणु
   'वे दिन' – निर्मल वर्मा

टिप्पणी : इनमें से 'गोदान' से व्याख्या पूछी जाएगी।

(ख) कहानी

4. चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी' – 'उसने कहा था'
   जयशंकर प्रसाद – 'गुंडे'
   अमरकांत – 'डिप्टी कलेक्टरी'
   मोहन राकेश – 'परमात्मा का कुत्ता'
   कमलेश्वर – 'जार्ज पंचम की नाक'
5. कृष्णा सोबती – 'बादलों के घेरे'
   उषा प्रियंवदा – 'वापसी'
   मन्नू भंडारी – 'अकेली'
   ज्ञानरंजन – 'पिता'
   ओमप्रकाश वाल्मीकि – 'सलाम'

टिप्पणी : कहानियों से व्याख्या नहीं पूछी जाएगी।

(ग)

1. गल्प और इतिहास, कल्पना और यथार्थ

प्रेमचंद पूर्व हिन्दी उपन्यास – 'परीक्षा गुरू', 'चंद्रकांता' आदि / वस्तु और शिल्प।

प्रेमचंद युगीन उपन्यास

'गोदान' – मुख्य पात्र, यथार्थ और आदर्श, वस्तु–शिल्प–वैशिष्ट्य

प्रेमचंदोत्तर उपन्यास

'शेखर एक जीवनी' – वस्तु, शिल्पगत वैशिष्ट्य

2. हिन्दी में ऐतिहासिक उपन्यासों की परम्परा

'बाणभट्ट की आत्मकथा' : संस्कृति व चेतना, भाषा–शिल्प वैशिष्ट्य

3. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास

'मैला आँचल' – वस्तु, शिल्प, आंचलिकता
'वे दिन' – वस्तु, शिल्प

4. हिन्दी कहानी का आरंभ
उसने कहा था : वस्तु और शिल्प

प्रेमचंदोत्तर हिन्दी कहानी का वैशिष्ट्य
'गुंडे' : वस्तु और शिल्प

नई कहानी की प्रवृत्तियाँ
'डिप्टी कलेक्टरी' : वस्तु और शिल्प
'परमात्मा का कुत्ता' : वस्तु और शिल्प
'जार्ज पंचम की नाक' : वस्तु और शिल्प
'बादलों के घेरे' : वस्तु और शिल्प
'अकेली' : वस्तु और शिल्प

साठोत्तरो कहानियाँ
'पिता' : वस्तु और शिल्प

दलित कहानी
'सलाम' : वस्तु और शिल्प

सहायक ग्रंथ :

1. उपन्यास और लोकजीवन – राल्फ़ फाक्स अनु. नरोत्तम नागर पी.पी.एच.
2. प्रेमचंद व्यक्तित्व और कृतिव – शचीरानी गुर्टू
3. प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा
4. उपन्यास का उदय – आयन वॉट
5. उपन्यास स्थिति और गति – चंद्रकांत बांदिवडेकर
6. आधुनिक साहित्य और इतिहास बोध – नित्यानंद तिवारी, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
7. आधुनिक हिन्दी उपन्यास और मानवीय अर्थवत्ता – नंदकिशोर नवल
8. अधूरे साक्षात्कार – नेमिचंद्र जैन
9. आस्था के चरण – नगेन्द्र
10. उपन्यास का पुनर्जन्म – परमानन्द श्रीवास्तव
11. हिन्दी उपन्यास – एक अन्तर्यात्रा – रामदरश मिश्र
12. औरों के बहाने – राजेन्द्र यादव
13. एक दुनिया समानान्तर – राजेन्द्र यादव
14. कहानी स्वरूप और संवेदना – राजेन्द्र यादव
15. परिवर्तन और विकास के सांस्कृतिक आयाम – पूरनचंद जोशी
16. साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका – मैनेजर पाण्डेय
17. साहित्य की मेरी पहचान – श्यामाचरण दुबे
18. नई कहानी की भूमिका – कमलेश्वर
19. प्रगतिशील साहित्य के मानदण्ड – रांगेय राघव
20. हिन्दी उपन्यास – सुरेश सिन्हा
21. हिन्दी उपन्यास का इतिहास – गोपाल राय
22. हिन्दी कहानी का इतिहास (तीन खंडों में) – गोपाल राय
23. आधुनिकता – साहित्य के संदर्भ में – गंगाप्रसाद विमल

तमिलनाडु केन्द्रीय विश्वविद्यालय
हिन्दी विभाग
एम.ए. हिन्दी – द्वितीय सत्र
प्रश्नपत्र 1 – प्रयोजनमूलक हिन्दी और अनुवाद

1. प्रयोजनमूलक हिंदी : परिभाषा और क्षेत्र, ज्ञान प्रधान, सूचनात्मक और रचनात्मक साहित्य में प्रयुक्त भाषा भेद।

2. हिन्दी का क्षेत्रीय, अंतर्राष्ट्रीय सन्दर्भ, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा, शिक्षा–माध्यम भाषा।
   राष्ट्रभाषा और राजभाषा के रूप में हिन्दी की संवैधानिक और वास्तविक स्थिति।
   भाषा–नियोजन एवं भाषा–प्रबंधन
   भारतीय बहुभाषिकता और हिन्दी, हिन्दी की व्यापक संकल्पना।

3. प्रयुक्ति का अर्थ और प्रकार।
   प्रयोजनमूलक हिन्दी की विविध प्रयुक्तियाँ। कार्यालयी सम्प्रेषण के विभिन्न प्रारूप।
   प्रयुक्ति क्षेत्र – वैज्ञानिक, तकनीकी, कार्यालयी, व्यावसायिक आदि।
   विविध क्षेत्रों से संबंधित अभिव्यक्तियों एवं पारिभाषिक शब्दावली का सामान्य परिचय।

4. हिन्दी और कम्प्यूटर अनुप्रयोग

5. अनुवाद सिद्धान्त और व्यवहार

सहायक ग्रंथ :

1. दंगल झाल्टे, प्रयोजनमूलक हिन्दी
2. विनोद गोदरे, प्रयोजनमूलक हिन्दी
3. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, प्रयोजनमूलक हिन्दी, (केन्द्रीय हिन्दी संस्थान)
4. सुवास कुमार, हिन्दी विविध व्यवहारों की भाषा
5. प्रो. आर. एस. सर्राजु, प्रयोजनमूलक हिन्दी : स्थिति संदर्भ और प्रयुक्ति विश्लेषण
6. कैलाशचंद्र भाटिया, प्रयोजनमूलक हिन्दी
7. कैलाशचंद्र भाटिया, कामकाजी हिन्दी
8. कृष्ण कुमार गोस्वामी, कार्यालयी हिन्दी, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय
9. एन. ई. विश्वनाथ अय्यर, अनुवाद कला
10. प्रो. जी. गोपीनाथन, अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली
11. कैलाशचन्द्र भाटिया, अनुवाद कला : सिद्धांत और प्रयोग, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
12. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव और कृष्णकुमार गोस्वामी, अनुवाद सिद्धांत और समस्याएँ, आलेख प्रकाशन, दिल्ली
13. सुरेश कुमार, अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
14. नगेन्द्र (सं.), अनुवाद विज्ञान सिद्धांत एवं प्रयोग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
15. कृष्णकुमार गोस्वामी, अनुवाद विज्ञान की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
16. रीतारानी पालीवाल, अनुवाद प्रक्रिया एवं परिदृश्य, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
17. रीतारानी पालीवाल, अनुवाद की सामाजिक भूमिका, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
18. प्रो. दिलीप सिंह (सं.), अनुवाद का सामयिक परिप्रेक्ष्य, द.भा.हिं.प्र.सभा, चेन्नै
19. भोलानाथ तिवारी, अनुवाद विज्ञान, शब्दकार, दिल्ली

तमिलनाडु केन्द्रीय विश्वविद्यालय
हिन्दी विभाग
एम.ए. हिन्दी – द्वितीय सत्र
प्रश्नपत्र 2 – हिन्दी साहित्य का इतिहास – II (आधुनिक काल)

1. आधुनिक काल की सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
   1857 के स्वाधीनता संग्राम से 1947 तक : राष्ट्रीय आंदोलन, नवजागरण

2. भारतेन्दु युग – प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक प्रवृत्तियाँ
   द्विवेदी युग – प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक प्रवृत्तियाँ

3. स्वच्छंदतावाद और छायावाद – प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक प्रवृत्तियाँ

4. प्रगतिवाद, उत्तर छायावादी काव्य, प्रयोगवाद, नयी कविता, नवगीत, समकालीन कविता

5. हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाओं का उद्भव और विकास

सहायक ग्रंथ :

1. रामचंद्र शुक्ल – हिन्दी साहित्य का इतिहास
2. हजारीप्रसाद द्विवेदी – हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास
3. नगेन्द्र – हिन्दी साहित्य का इतिहास
4. बच्चन सिंह – हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास
5. श्रीकृष्ण लाल – आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास
6. सुमन राजे – हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास

तमिलनाडु केन्द्रीय विश्वविद्यालय
हिन्दी विभाग
एम.ए. हिन्दी – द्वितीय सत्र
प्रश्नपत्र 3 – आधुनिक हिन्दी काव्य

आधुनिक हिन्दी कविता

1. मैथिलीशरण गुप्त – 'साकेत' (नवम् सर्ग)
   जयशंकर प्रसाद – 'कामायनी' (चिंता, श्रद्धा, इड़ा सर्ग)
   (व्याख्या 'चिंता' सर्ग से पूछी जाएगी)

2. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला – 'राग–विराग' (सं. रामविलास शर्मा)
   ('राम की शक्तिपूजा', 'सरोज–स्मृति', 'कुकुरमुत्ता')
   सुमित्रानंदन पन्त – 'परिवर्तन', 'नौका–विहार', 'मौन–निमंत्रण'

3. महादेवी वर्मा – 'दीपशिखा' – ('पंथ होने दो अपरिचित', 'सब बुझे दीपक जला लूँ', 'यह मंदिर का दीप', 'पूछता क्यों शेष कितनी रात')
   रामधारी सिंह 'दिनकर' – 'कुरुक्षेत्र' – (छठा सर्ग)

4. मुक्तिबोध – 'अँधेरे में', 'ब्रह्मराक्षस'
   सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' – 'असाध्यवीणा', 'नदी के द्वीप', 'कितनी शांति कितनी शांति', 'सोन मछली', 'कितनी नावों में कितनी बार'

5. नागार्जुन – (प्रतिनिधि कविताएँ : नामवर सिंह), 'गुलाबी चूड़ियाँ', 'बादल को घिरते देखा', 'अकाल और उसके बाद', 'बहुत दिनों के बाद'
   रघुवीर सहाय – 'रामदास', 'आपकी हँसी', 'अधिनायक'

सहायक ग्रंथ :

1. जयशंकर प्रसाद – नंददुलारे वाजपेयी
2. प्रसाद का काव्य – प्रेमशंकर, भारती भंडार
3. छायावाद – नामवर सिंह
4. कामायनी : एक पुनर्विचार – मुक्तिबोध
5. निराला की साहित्य–साधना (1–2) रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन
6. निराला : व्यक्तित्व और कृतित्व – धनंजय वर्मा
7. छायावाद की प्रासंगिकता – रमेशचंद्र शाह
8. सुमित्रानंदन पन्त – नगेन्द्र

तमिलनाडु केन्द्रीय विश्वविद्यालय
हिन्दी विभाग
एम.ए. हिन्दी – द्वितीय सत्र
प्रश्नपत्र 4 – आधुनिक हिन्दी गद्य – II
(नाटक, निबंध, यात्रा वृत्तांत, आत्मकथा, जीवनी)

नाटक, निबंध तथा गद्य की अन्य विधाएँ

1. नाटक

हिन्दी नाटक का विकास और समकालीन स्थिति
'अंधेर नगरी' – भारतेन्दु
'चंद्रगुप्त' – जयशंकर प्रसाद
'आधे–अधूरे' – मोहन राकेश
'अंधायुग' – धर्मवीर भारती
('आधे–अधूरे' पाठाधारित अध्ययन/अन्य कृतियों का सामान्य अध्ययन)

2. निबंध

लोकमंगल की साधनावस्था – 'चिन्तामणि' (भाग–1) – रामचंद्र शुक्ल
हिन्दी निबंध व साहित्य का विकास और विभिन्न स्वरूप
'अशोक के फूल' – हजारीप्रसाद द्विवेदी
'पगडण्डी' – हरिशंकर परसाई

गद्य की विभिन्न विधाओं – उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध, यात्रा वृत्तांत, रेखाचित्र का उद्भव और विकास

3. महिला विषयक संदर्भ और विमर्श
   'शृंखला की कड़ियाँ' – महादेवी वर्मा

4. आत्मकथा : 'मुर्दहिया' – तुलसी राम
   हिन्दी में आत्मकथा साहित्य का विकास, दलित लेखन और मंथन
   यात्रा वृत्तांत : 'अरे यायावार रहेगा याद' – अज्ञेय

5. जीवनी : 'कलम का सिपाही' – अमृत राय

हिन्दी में संस्मरण, यात्रा वृत्तांत, जीवनी का विकास और विविध पद्य तथा गद्य की अन्य विधाएँ

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी नाटक उद्भव और विकास – दशरथ ओझा, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली
2. हिन्दी नाटक – बच्चन सिंह
3. जयशंकर प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन – जगन्नाथ प्रसाद शर्मा
4. प्रसाद के नाटक स्वरूप और संरचना – गोविन्द चातक
5. मोहन राकेश और उनके नाटक – गिरीश रस्तोगी
6. हिन्दी नाटक और रंगमंच – पहचान और परख – डॉ. इन्द्रनाथ मदान
7. हिन्दी नाटक – डॉ. बच्चन सिंह
8. भारतीय नाट्य–चिन्तन – डॉ. नगेन्द्र
9. आधुनिक नाटक का मसीहा, मोहन राकेश – गोविन्द चातक

तमिलनाडु केन्द्रीय विश्वविद्यालय
हिन्दी विभाग
एम.ए. हिन्दी – द्वितीय सत्र
प्रश्नपत्र 5 – सामान्य भाषा विज्ञान

1. भाषा की परिभाषा, अभिलक्षण, भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषिक प्रकार्य, भाषा संरचना, भाषा विज्ञान – स्वरूप एवं व्याप्ति, भाषा विज्ञान : अध्ययन की विभिन्न पद्धतियाँ भाषा और सम्प्रेषण

2. **स्वन की प्रक्रिया**
   स्वनविज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ
   स्वन की अवधारणा
   स्वनिम की अवधारणा
   स्वनिम निर्धारण
   ध्वन्यात्मक प्रतिलेखन
   ध्वनिविज्ञान अध्ययन की उपयोगिता
   ध्वनिविज्ञान की शाखाएँ
   वाग् यन्त्र

3. **व्याकरण**
   रूप–प्रक्रिया का स्वरूप और शाखाएँ
   रूपिम की अवधारणा, संरूप, परिपूरक वितरण, वाक्य की अवधारणा, अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद, वाक्य के तत्व, वाक्य के भेद, वाक्य विश्लेषण, गहन–संरचना और बहिष्केन्द्रिक संरचना

4. **अर्थविज्ञान**
   अर्थ की अवधारणा, शब्द अर्थ का संबंध
   पर्यायता, विलोमता और अनेकार्थता
   अर्थपरिवर्तन

5. **भाषाविज्ञान और साहित्य**
   भाषाविज्ञान और साहित्य, साहित्य के अध्ययन में भाषाविज्ञान के अंगों की उपयोगिता, साहित्य और ध्वनिविज्ञान, साहित्य और रूप–विज्ञान, साहित्य और वाक्य विज्ञान, साहित्य और अर्थविज्ञान

सहायक ग्रंथ :

1. सामान्य भाषाविज्ञान – वैश्ना नारंग
2. आधुनिक भाषाविज्ञान – भोलानाथ तिवारी
3. भाषाविज्ञान एवं समाजभाषा विज्ञान – गिरीश तिवारी
4. भाषा और भाषिकी – देवीशंकर द्विवेदी
5. सामान्य भाषाविज्ञान – बाबूराम सक्सेना
6. भाषा – ब्लूमफील्ड
7. भाषाविज्ञान और हिन्दी – सूरजप्रसाद अग्रवाल
8. ध्वनिविज्ञान – गोलोक बिहारी ढल
9. भाषा वैज्ञानिक निबंध – हेमचन्द्र जोशी
10. भोलानाथ तिवारी, देवेन्द्रनाथ शर्मा, रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, दिलीप सिंह, रमाकांत अग्निहोत्री, द्वारका प्रसाद सक्सेना, कैलाशचंद भाटिया

तमिलनाडु केन्द्रीय विश्वविद्यालय
हिन्दी विभाग
एम.ए. हिन्दी – तृतीय सत्र
प्रश्नपत्र 1 – भारतीय काव्यशास्त्र

1. काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य के प्रकार

2. रस सिद्धान्त – रस का स्वरूप, रस–निष्पत्ति, रस के अंग, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा

3. अलंकार सिद्धान्त – मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण

4. रीति सिद्धान्त – रीति की अवधारणा, काव्य–गुण, रीति एवं शैली, रीति–सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ

5. वक्रोक्ति सिद्धान्त – वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद

6. ध्वनि सिद्धान्त – ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि–सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूत–व्यंग्य, चित्र–काव्य

7. औचित्य सिद्धान्त – प्रमुख स्थापनाएँ, औचित्य के भेद

8. मिथक, फंतासी, कल्पना, बिम्ब, प्रतीक

सहायक ग्रंथ :

1. भारतीय साहित्य–शास्त्र – बलदेव उपाध्याय
2. संस्कृत आलोचना – बलदेव उपाध्याय
3. काव्यशास्त्र – भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. भारतीय काव्यशास्त्र के नये क्षितिज – राममूर्ति त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास – पी.व्ही. काणे, मोतीलाल, बनारसी दास, दिल्ली
6. रस मीमांसा – रामचंद्र शुक्ल
7. रस–सिद्धान्त – डॉ. नगेन्द्र
8. रस–सिद्धान्त ; नये संदर्भ – आचार्य नंददुलारे वाजपेयी
9. वक्रोक्ति सिद्धान्त और छायावाद – विजयेन्द्र नारायण सिन्हा
10. रीतिकाव्य की भूमिका – डॉ. नगेन्द्र
11. देवेन्द्रनाथ शर्मा

तमिलनाडु केन्द्रीय विश्वविद्यालय
हिन्दी विभाग
एम.ए. हिन्दी – तृतीय सत्र
प्रश्नपत्र 2 – पाश्चात्य काव्यशास्त्र

1. प्लेटो – काव्य सिद्धान्त
   अरस्तू – अनुकरण सिद्धान्त, त्रासदी–विवेचन

2. लोंजाइनस – उदात्त की अवधारणा
   ड्राइडन के काव्य सिद्धान्त
   वर्डसवर्थ – काव्य–भाषा का सिद्धान्त
   कॉलरिज – कल्पना सिद्धान्त और ललित कल्पना

3. मैथ्यू आर्नल्ड – आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य

4. टी.एस. इलियट – परम्परा की परिकल्पना और वैयक्तिक–प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त, वस्तुनिष्ठ समीकरण, संवेदनशीलता का असाहचर्य

5. आई.ए. रिचर्डस – रागात्मक अर्थ, संवेगों का संतुलन, सम्प्रेषण सिद्धान्त, व्यावहारिक आलोचना

6. सिद्धान्त और वाद – अभिजात्यवाद, स्वच्छन्दतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद तथा अस्तित्ववाद

सहायक ग्रंथ :

1. पाश्चात्य समीक्षा दर्शन – जगदीशचंद्र जैन, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास – तारकनाथ बाली
4. पाश्चात्य साहित्य चिन्तन – निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
5. उदात्त के विषय में – निर्मला जैन
6. रिचर्डस के आलोचना सिद्धान्त – निर्मला जैन
7. पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परम्परा – सं. डॉ. सावित्री सिन्हा
8. नई समीक्षा के प्रतिमान – डॉ. निर्मला जैन
9. हिन्दी आलोचना के नये वैचारिक सरोकार – कृष्णदत्त पालीवाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
10. नई समीक्षा – अमृतराय, हिन्दुस्तानी पब्लिशिंग हाउस, बनारस
11. नये साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र – मुक्तिबोध, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

तमिलनाडु केन्द्रीय विश्वविद्यालय
हिन्दी विभाग
एम.ए. हिन्दी – तृतीय सत्र
प्रश्नपत्र 3 – भारतीय साहित्य

1. भारतीय साहित्य की अवधारणा और स्वरूप
2. भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ
3. भारतीय साहित्य का तुलनात्मक इतिहास, प्रवृत्तियाँ और समकालीन स्वरूप
4. नाटक : 'हयवदन' (कन्नड – गिरीश कर्नाड) /
   (मराठी – 'खामोश अदालत जारी है' – विजय तेंदुलकर)
   उपन्यास : '1084वें की माँ' (बंगला – महाश्वेता देवी) /
   'एक इमली की कहानी' (तमिल – सुंदर रामास्वामी) /
   'संस्कार' (कन्नड़ – अनंतमूर्ति)
5. आत्मकथा : 'उठाईगीर' (मराठी – लक्ष्मण गायकवाड़)
   कहानी संग्रह : प्रमुख भारतीय भाषाओं से चुनी कहानियाँ
   कविता संग्रह : प्रमुख भारतीय भाषाओं से चुनी कविताएँ

सहायक ग्रंथ :

1. भारतीय कविता में राष्ट्रीय चेतना
2. भारतीय नाटक एवं रंगमंच
3. भारतीय निबंध
4. भारतीय भाषाओं के साहित्य का संक्षिप्त परिचय
5. स्वातंत्र्योत्तर भारतीय साहित्य
6. भारतीय कवयित्रिया – भाग 1 और 2
7. भारतीय कविता : तीन दशक (1961 से 1990)
8. भारतीय उपन्यास : अंतिम दशक (1991–2000)
9. हिन्दी और विभिन्न भारतीय भाषाएं (2010)
10. तुलनात्मक अध्ययन (1961–1975)
    (उपर्युक्त सभी पुस्तकें साहित्यमाला के अंतर्गत प्रकाशन विभाग, केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित)
11. , साहित्य अकादमी, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित पत्रिका 'समकालीन भारतीय साहित्य' के सभी अंक
12. History of Indian Literature (Vol. 1 – 1800-1900 AD, Vol 2. 1911-1956 AD) Edited by Prof. Sisir Kumar, Sahitya Akademi, New Delhi
13. नरेन्द्र मोहन, विभाजन की त्रासदी : भारतीय कथादृष्टि, भारतीय ज्ञानपीठ (2008)

तमिलनाडु केन्द्रीय विश्वविद्यालय
हिन्दी विभाग
एम.ए. हिन्दी – तृतीय सत्र
प्रश्नपत्र 4 – आधुनिक विमर्श और हिन्दी साहित्य

1. विमर्श (डिस्कोर्स) की परिभाषाएँ : पाश्चात्य और भारतीय संदर्भ
2. उत्तर आधुनिक चिंतन : प्रमुख चिंतक
3. अस्मिता विमर्श, ब्लैक और फेमिनिस्ट डिस्कोर्स एंड पॉलिटिक्स
4. भारत में दलित विमर्श
   दलित साहित्य की अवधारणा और उसकी विभिन्न धाराएँ
   आत्मकथा – जूठन (ओमप्रकाश वाल्मीकि)
5. स्त्री विमर्श और हिन्दी साहित्य में इनकी अभिव्यक्तियाँ
   उपन्यास – आपका बंटी (मन्नू भंडारी)

सहायक ग्रंथ :

1. दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र – ओमप्रकाश वाल्मीकि
2. दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र – शरण कुमार लिम्बाले
3. मुख्य धारा और दलित साहित्य – ओमप्रकाश वाल्मीकि
4. दलित साहित्य के आधार तत्व – हरपाल सिंह अरुण
5. दलित साहित्य वेदना और विद्रोह – शरण कुमार लिम्बाले
6. आधुनिकता के आइने में दलित – सं. अभय कुमार दुबे
7. दलित चिंतन का विकास : धर्मवीर
8. उपनिवेश में स्त्री – प्रभा खेतान
9. स्त्रीत्व का मानचित्र – अनामिका
10. स्त्रीलिंग निर्माण – मल्लिका सेनगुप्त
11. स्त्री उपेक्षिता – सीमोन द–बोउवार अनुवाद – प्रभा खेतान

तमिलनाडु केन्द्रीय विश्वविद्यालय
हिन्दी विभाग
एम.ए. हिन्दी – तृतीय सत्र
प्रश्नपत्र 5(I) – अनुवाद : सिद्धान्त और प्रयोग

1. अनुवाद : परिभाषा, क्षेत्र और सीमाएँ।
   अनुवाद का स्वरूप : अनुवाद कला, विज्ञान अथवा शिल्प।
   अनुवाद की इकाई : शब्द, पदबंध, वाक्य, पाठ।
   अनुवाद की प्रक्रिया और प्रविधि : विश्लेषण, अंतरण, पुनर्गठन।
   अनुवाद–प्रक्रिया के विभिन्न चरण, स्रोत भाषा के पाठ का विश्लेषण एवं उसके अर्थग्रहण की प्रक्रिया, स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा की तुलना तथा अर्थांतरण की प्रक्रिया। अनूदित पाठ का पुनर्गठन और अर्थ–सम्प्रेषण की प्रक्रिया। अनुवाद–प्रक्रिया की प्रकृति।

2. अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार –
   कार्यालयी, वैज्ञानिक एवं तकनीकी, साहित्यिक, मानविकी, संचार माध्यम, विज्ञापन आदि।

   पाठ की अवधारणा और प्रकृति –
   पाठ–शब्द प्रति शब्द
   शाब्दिक अनुवाद
   भावानुवाद
   छायानुवाद
   पूर्ण और आंशिक अनुवाद
   आशु अनुवाद

3. अनुवाद की समस्याएँ : सृजनात्मक अथवा साहित्यिक अनुवाद की समस्याएँ, कार्यालयी अनुवाद की समस्याएँ, वैज्ञानिक एवं तकनीकी साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ, विधि–साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ, कोश एवं पारिभाषिक शब्दार्थ के निर्माण की समस्याएँ, मीडिया क्षेत्र के अनुवाद की समस्याएँ, विज्ञापन के अनुवाद की समस्याएँ।
   अनुवाद के उपकरण : कोश, पारिभाषिक शब्दावली, थिसारस, कम्प्यूटर आदि।

4. अनुवाद तथा समतुल्यता का सिद्धान्त
   अनुवाद : पुनरीक्षण, संपादन, मूल्यांकन

5. मशीनी अनुवाद
   अनुवाद की सार्थकता, प्रासंगिकता एवं व्यावसायिक परिदृश्य
   अनुवादक के गुण
   व्यावहारिक अनुवाद (प्रश्नपत्र में दिए गए अंग्रेज़ी अवतरण का हिन्दी अनुवाद)

तमिलनाडु केन्द्रीय विश्वविद्यालय
हिन्दी विभाग
एम.ए. हिन्दी – तृतीय सत्र
प्रश्नपत्र 5(II) – हिन्दी–तमिल व्यतिरेकी विश्लेषण

1. हिन्दी और आधुनिक तमिल भाषा का विकास
   ध्वनि संरचना का व्यतिरेकी विश्लेषण
2. रूप, शब्द और पद की संरचना का उद्‌भव और विकास
3. वाक्य संरचना का व्यतिरेकी विश्लेषण
4. अर्थ संरचना का व्यतिरेकी विश्लेषण
5. हिन्दी–तमिल प्रोक्ति विश्लेषण

सहायक ग्रंथ :

1. एस.एन. गणेशन – कोश विज्ञान और भाषिक अनुप्रयोग

तमिलनाडु केन्द्रीय विश्वविद्यालय
हिन्दी विभाग
एम.ए. हिन्दी – तृतीय सत्र
प्रश्नपत्र 5(III) – भाषिक अनुप्रयोग, कोश और शब्द–संग्रह (कॉर्पस) विकास

1. **सैद्धान्तिक संदर्भ** : भाषा अध्ययन के दो संदर्भ : – शब्द–सम्पदा, शब्द प्रयोग एवं शब्दानुशासन (व्याकरण), भाषा प्रयोग के विविध आयाम – भाषिक अनुप्रयोगों के आधुनिक संदर्भ।

2. **शब्द की सरंचना और प्रकार** : सरल एवं संयुक्त (कम्पोजिट), रूढ़ एवं समासिक शब्द, सामासिक इकाइयों की प्रकृति, सामासिक इकाइयों के प्रकार, सहसम्बन्ध, व्युत्पत्ति, समास, कहावत, मुहावरा, प्रयोग एवं उद्धरण, अर्थ प्रकार – कोशीय बनाम व्याकरणिक शब्द, संकेतार्थ बनाम सम्पृक्तार्थ, सहप्रयोगगत बनाम संदर्भगत, अर्थ संरचनागत – अनेकार्थता, संरूपता, पर्याय, विलोम, हाइपोनिम, शब्दयोग की प्रकृति।

3. **कोश और शब्द–संग्रह (कॉर्पस) की संकल्पना और कोश के प्रकार** : प्रकार के आधार, विश्वकोश बनाम भाषा–वैज्ञानिक कोश, एक कालिक बनाम बहुकालिक (ऐतिहासिक कोश), सामान्य बनाम सीमिति कोश, एक भाषी बनाम बहुभाषी कोश, थिसारस एवं परिभाषा कोश, शिक्षार्थी कोश, साहित्य कोश, शब्द–संग्रह (कॉर्पस)।

4. **कोश और शब्द–संग्रह (कॉर्पस) निर्माण प्रक्रिया** : सामग्री संकलन, प्रविष्टियों का चयन, प्रविष्टियों की व्यवस्था एवं प्रस्तुतीकरण, संदर्भ एवं प्रति (क्रास) संदर्भ, नामांकन, अर्थ का अनुक्रम, टंकण एवं रूपात्मक (फार्मेट) ढाँचा। कम्प्यूटर अनुप्रयोगों के अनुरूप शब्द–संग्रह का विकास।

5. **कोश शब्द–संग्रह (कॉर्पस) निर्माण प्रयोजन** : प्रयोग, प्रयोजन एवं प्रयोक्ता की अनुरूपता, आकार की रूपरेखा, संरचनात्मक व्यवस्था, संदर्भ टिप्पणी, सर्वेक्षण एवं संकल्पना की विधि, हिन्दी भाषा, बोलियाँ और भाषिक अनुप्रयोगों के संदर्भ में कोश निर्माण की समस्याएँ, संकेतन (नोटेशन)।

सहायक ग्रंथ :

1. सुधा मंगेश कत्रे, कोश विज्ञान, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।
2. रामचन्द्र वर्मा, हिन्दी कोश रचना, बनारस।
3. सुरेश कुमार, कोश निर्माण : सिद्धान्त और परम्परा, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।
4. ओमप्रकाश गुप्ता, मुहावरा मीमांसा, बिहार राष्ट्रभाषा, पटना।
5. भोलानाथ तिवारी, कोश विज्ञान, शब्दकार प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. युगेश्वर पाण्डेय, हिन्दी कोश विज्ञान का उद्‌भव और विकास, भारतीय विद्या प्रकाशन, काशी।
7. ब्रजमोहन नलिन पाण्डेय, व्युत्पत्ति विज्ञान, जानकी प्रकाशन, पटना।
8. रामचन्द्र वर्मा, शब्दार्थ दर्शन, शब्दलोक प्रकाशन, इलाहाबाद।
9. सुरेश कुमार, कोश निर्माण : सिद्धान्त और परम्परा, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।

तमिलनाडु केन्द्रीय विश्वविद्यालय
हिन्दी विभाग
एम.ए. हिन्दी – तृतीय सत्र
प्रश्नपत्र 5(IV) – दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन

1. दृश्य–श्रव्य लेखन का स्वरूप और प्रमुख प्रकार।
   हिन्दी में दृश्य–श्रव्य लेखन का संक्षिप्त इतिहास।

2. रेडियो नाटक की प्रविधि।
   रंग नाटक, पाठ्यनाटक और रेडियो नाटक का अन्तर।
   रेडियो नाटक के प्रमुख भेद – रेडियो धारावाहिक, रेडियो रूपान्तर, रेडियो फैन्टेसी, संगीत रूपक, आलेख रूपक (डाक्यूमेंट्री फीचर)।
   टी.वी. नाटक की तकनीक। टेली ड्रामा, टेली फिल्म, डाक्यूड्रामा तथा टी.वी. धारावाहिक मे ंसाम्य–वैषम्य। संचार माध्यम के अन्य विविध रूप।

3. साहित्यिक विधाओं की दृश्य–श्रव्य रूपांतरण–कला। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा प्रसारित समाचारों के संकलन–संपादन और प्रस्तुतीकरण की प्रविधि।

4. संचार माध्यमों द्वारा प्रसारित विज्ञापनों की भाषा।
   विज्ञापन फिल्मों की प्रविधि।
   संचार माध्यमों की भाषा।

5. हिन्दी के समक्ष आधुनिक जनसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी की चुनौतियाँ।
   एस. एम. एस., इन्टरनेट, ब्लॉग, ट्विटर आदि में हिन्दी भाषा का स्वरूप।

तमिलनाडु केन्द्रीय विश्वविद्यालय
हिन्दी विभाग
एम.ए. हिन्दी – तृतीय सत्र
प्रश्नपत्र 5(V) – हिन्दी–तमिल साहित्य तुलनात्मक अध्ययन

1. तमिल भाषा का संक्षिप्त परिचय : उद्‌भव और विकास
2. मध्यकालीन हिन्दी और तमिल साहित्य की मुख्य प्रवृत्तियाँ
3. हिन्दी और तमिल भक्ति–साहित्य
4. हिन्दी और तमिल राष्ट्रीय साहित्य
5. तमिल और हिन्दी साहित्य का आधुनिक प्रवृत्तियों का तुलनात्मक अध्ययन :–
   (क) छायावाद और भाव कविता
   (ख) प्रगतिवादी और अभ्युदय कविता
   (ग) नई कविता और वचन कविता
   (घ) तमिल और हिन्दी में साठोत्तरी प्रवृत्तियाँ
6. साहित्य की अन्य विधाएँ :–
   (क) उपन्यास
   (ख) छोटी कहानियाँ
   (ग) नाटक
   (घ) एकांकी

सहायक ग्रंथ :

1. एन. शेनन, तमिल साहित्य का इतिहास

तमिलनाडु केन्द्रीय विश्वविद्यालय
हिन्दी विभाग
एम.ए. हिन्दी – प्रथम सत्र
प्रश्नपत्र 5(VI) – तमिल भाषा और साहित्य

इकाई–1
मौखिक और लिखित तमिल एक अभ्यास

इकाई–2
तमिल–हिन्दी और हिन्दी–तमिल में अनुवाद एक अभ्यास

इकाई–3
तमिल साहित्य के इतिहास का संक्षिप्त परिचय (प्राचीन) – I

इकाई–4
तमिल साहित्य के इतिहास का संक्षिप्त परिचय (आधुनिक) – II

इकाई–5
गद्य और काव्य : चुने हुए पाठों का अध्ययन

टिप्पणी : इसके लिए हिन्दी विभाग के द्वारा एक संचयिता तैयारी की जा सकती है।

तमिलनाडु केन्दोय विश्वविद्यालय
हिन्दी विभाग
एम.ए. हिन्दी – चतुर्थ सत्र
प्रश्नपत्र 1 – विश्व साहित्य

1. विश्व साहित्य की अवधारणा, क्षेत्र और व्यापकता
2. यूरोपीय और अमेरिकी साहित्य
3. अफ्रीकी साहित्य
4. लातिन अमेरिकी साहित्य
5. एशियाई साहित्य

विस्तृत अध्ययन के लिए :

1. वर्ड्सवर्थ (कविता) किसी एक कविता का अध्ययन
2. रिल्के (कविता) किसी एक कविता का अध्ययन
3. पाब्लो नेरुदा (कविता) किसी एक कविता का अध्ययन
4. गोगोल (कहानी) किसी एक कहानी का अध्ययन
5. काफ्का (कहानी) किसी एक कहानी का अध्ययन
6. लू शुन (कहानी) किसी एक कहानी का अध्ययन
7. मोपांसा (कहानी)
8. चेखव – 'एक क्लर्क की मौत' (कहानी)
9. टालस्टाय (उपन्यास) किसी एक उपन्यास का अध्ययन
10. हेमिंग्वे (उपन्यास) किसी एक उपन्यास का अध्ययन
11. बर्तोल्त ब्रेख्त (नाटक) 'खडिया का घेरा', अनुवाद – कमलेश्वर

सहायक ग्रंथ :

1. डॉ. सत्यकाम, उपन्यास : पहचान और प्रगति (विश्व उपन्यास साहित्य शीर्षक अध्याय)
2. सं. डॉ. नगेन्द्र, तुलनात्मक साहित्य, नेशनल पब्लिशिंग हाउस
3. इन्द्रनाथ चौधुरी, तुलनात्मक साहित्य की भूमिका, नेशनल पब्लिशिंग हाउस
4. रांगेय राघव (सं), विश्व के बीस अमर उपन्यास

तमिलनाडु केन्द्रीय विश्वविद्यालय
हिन्दी विभाग
एम.ए. हिन्दी – चतुर्थ सत्र
प्रश्नपत्र 2 – हिन्दी शिक्षण

1. भाषा शिक्षण का उद्भव एवं विकास
   भाषा शिक्षण की मूलभूत संधारणाएँ,
   भाषा कौशल – श्रवण, वाचन, पाठन और लेखन, अर्जन और अधिगम की संकल्पनाएँ
   मातृभाषा (भाषा 1) – द्वितीय भाषा (भाषा 2),
   पर–भाषा व्याकरण दक्षता और सम्प्रेषण दक्षता,
   भाषा–शिक्षण भाषा के बारे में शिक्षण और भाषा के माध्यम से शिक्षण –
   भाषा शिक्षण और साहित्य शिक्षण

2. भाषा प्रकार – भाषा शिक्षण
   भाषा विज्ञान बनाम भाषा शिक्षण – भाषा शिक्षण बनाम भाषा ग्रहण
   भाषा संरचनाओं की तुलना – भाषा 1 बनाम भाषा 2. व्यतिरेकी विश्लेषण भाषा 1 बनाम 2

3. द्वितीय भाषा शिक्षण की पद्धतियाँ
   (1) प्रत्यक्ष पद्धति
   (2) व्याकरण पद्धति
   (3) अनुवाद पद्धति
   (4) व्याकरण अनुवाद पद्धति
   (5) संदर्भ पद्धति
   (6) संभाषण पद्धति
   (7) सहजात पद्धति
   (8) सम्मिश्रण पद्धति
   द्वितीय भाषा–शिक्षण और सामग्री–निर्माण

4. द्वितीय भाषा शिक्षण और त्रुटि–विश्लेषण

5. भाषा मूल्यांकन और परीक्षण
   श्रव्य–दृश्य उपकरण और द्वितीय भाषा–शिक्षण भाषा प्रयोगशाला

सहायक ग्रंथ :

1. भाषा–शिक्षण : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
2. Second Language Teaching : Lado, 1964
3. Language Testing : Lado
4. Edinburgh Course in applied Linguistics : Vd. 2,3,4
5. Language Teaching Analysis : William F. Mackey.
6. Language lab and Language Teaching : Stack, Oxford, 1960
7. Preparation of language teaching Tapes : Michael, N. Dobbyn, Central Institute of Indian Languages, Mysore.
8. Aspects of Applied Linguistics : Dr. D.P. Patnaik, CIIL, Mysore
9. Contrastive Analysis : Stockwell and Bowen
10. Transformational Grammar of Hindi : Yamuna Kachru.
11. A contrastive Stduy of Hindi : English Phonology
    Chaturvedi, M.G. National Publishing House, Delhi, 1973.

तमिलनाडु केन्द्रीय विश्वविद्यालय
हिन्दी विभाग
एम.ए. हिन्दी – चतुर्थ सत्र
प्रश्नपत्र 3 – पाठ विश्लेषण, लेखन और सम्प्रेषण

1. पाठ संगठन और विश्लेषण का तात्पर्य और युक्तियाँ

2. लेखन के विविध रूप – निबंध, शोधपरक रिपोर्टिंग, आलेख, टिप्पणी लेखन, स्तंभ लेखन, रेडियो लेखन, फीचर लेखन, पुस्तक समीक्षा, कला–समीक्षा, समाचार लेखन – सम्पादकीय, पाठकीय प्रतिक्रिया

3. सम्प्रेषण कौशल का विकास – संवाद, परिचर्चा, समूह वार्ता, संगोष्ठी, गोष्ठी, मल्टीमीडिया सम्प्रेषण सुविधाओं का उपयोग (पी.पी.टी. और अन्य संसाधनों का उपयोग)

4. एवं 5. (व्यवहार) : प्रपत्र लेखन, पुस्तक समीक्षा, सिनेमा समीक्षा, समाचार पत्र, रेडियो, टेलीविजन के लिए वार्ता, समाचार, फीचर, रिपोर्टिंग का स्क्रिप्ट लेखन, टेलीविजन के लिए समाचार, धारावाहिक के लिए स्क्रिप्ट लेखन, डॉक्यूमेन्ट्री आदि।

सहायक ग्रंथ :

1.

तमिलनाडु केन्द्रीय विश्वविद्यालय
हिन्दी विभाग
एम.ए. हिन्दी – चतुर्थ सत्र
वैकल्पिक प्रश्नपत्र 4(I) – संस्कृत साहित्य का इतिहास

1. संस्कृत साहित्य का संक्षिप्त परिचय

2. 'हितोपदेश' (कुछ श्लोक) अथवा 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' (चतुर्थ अंक)

3. संस्कृत व्याकरण एवं अनुवाद

4. 'अष्टाध्यायी' – समास प्रकरण, संधि प्रकरण, कारक प्रकरण, प्रत्यय

सहायक ग्रंथ :

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास – ए. बी. कीथ – अनु. मंगलदेव शास्त्री
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास – वरदाचार्य
3. संस्कृत साहित्य का नवीन इतिहास – कृष्ण चैतन्य, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी
4. व्याकरण कौमुदी : ईश्वरचंद विद्यासागर
5. संस्कृत साहित्य का इतिहास – बलदेव उपाध्याय

तमिलनाडु केन्द्रीय विश्वविद्यालय
हिन्दी विभाग
एम.ए. हिन्दी – चतुर्थ सत्र
वैकल्पिक प्रश्नपत्र 4(II) – भक्ति साहित्य

1. **पृष्ठभूमि :** भक्ति आन्दोलन और लोकजागरण, भक्ति–काव्य : दर्शन और सम्प्रदाय, भक्ति काव्य : सामाजिक चेतना और मानवीय संदर्भ, मध्यकालीन दरबारी संस्कृति और रीति काव्य

पाठ्यांश और व्याख्या :

2. कबीर : 100 साखी – विविध अंगों से संग्रहीत, 25 पद (सबद) (रमैनी)
   जायसी : ('पद्मावत') – नखशिख वर्णन खण्ड, सिंहलदीप खण्ड, मानसरोवर खण्ड, गोराबादल खण्ड।

3. सूरदास : विप्रलंभ–वर्ण–50 पद ('सूरसागर'), संयोग वर्णन – 25 पद, वात्सल्य – 25 पद, भक्ति – 10 पद।
   मीराबाई
   रसखान
   तुलसभ्च्छास : (तुलसी ग्रंथावली) – बालकाण्ड पूर्वार्द्ध, अयोध्याकाण्ड – भरतचरित, उत्तरकाण्ड – उत्तरार्द्ध, 'विनयपत्रिका' – 25 पद।

4. **निर्गुण भक्तिकाव्य :** कबीर और जायसी : कबीर : काव्य–प्रतिभा, भक्ति, दर्शन, योग : रहस्यवाद, सामजिक चेतना, अभिव्यंजना–कौशल।
   जायसी : काव्य–प्रतिभा, दर्शन, सूफी सिद्धान्त और रहस्यवाद, पद्मावत में भारतीय संस्कृति तथा लोक जीवन के तत्व, अभिव्यंजना–कौशल।

5. **सगुण–भक्ति काव्य–सूरदास और तुलसभ्च्छास :** सूरदास : काव्यप्रतिभा : मौलिक प्रसंगों की उद्भावना, शुद्धाद्वैत : पुष्टिमार्ग और सूरदास, ब्रज की लोकसंस्कृति, प्रतिपाद्य–वात्सल्य : भक्ति और श्रृंगार व रासराजत्व, अभिव्यंजना–कौशल।
   तुलसभ्च्छास : काव्य–प्रतिभा, दर्शन और भक्तिभावना, सांस्कृतिक चेतना और युग–संदर्भ, लोकनायकत्व, प्रबंध पटुता, अभिव्यंजना–कौशल।

सहायक ग्रंथ :

1. रामचन्द्र शुक्ल, हिन्दी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
2. हजारीप्रसाद द्विवेदी, हिन्दी साहित्य की भूमिका, राजकमल, दिल्ली।
3. नगेन्द्र, रीतिकाल की भूमिका, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
4. पीताम्बरदत्त वडथ्वाल, हिन्दी साहित्य में निर्गुण सम्प्रदाय, अवध पब्लिशिंग हाउस, लखनऊ।
5. हजारीप्रसाद द्विवेदी, कबीर, हिन्दी ग्रंथ रत्नाकर कार्यालय।
6. रामपूजन तिवारी, जायसी, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, बनारस।
7. रामचन्द्र शुक्ल, जायसी ग्रंथावली, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
8. चन्द्रबली पाण्डेय, तसव्बुफ अथवा सूफीमत, सूफीमत, वाराणसी।
9. रामचन्द्र शुक्ल, गोस्वामी तुलसभ्च्छास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
10. उदयभानु सिंह, तुलसीकाव्य मीमांसा, राधाकृष्ण, दिल्ली।
11. नन्ददुलारे वाजपेयी, सूरदास, राजकमल, दिल्ली।
12. शिवकुमार मिश्र, भक्तिकाव्य और लोकजीवन, पीपुल्स लिट्रेसी, दिल्ली।
13. रामनारायण शुक्ल, भक्ति काव्य : स्वरूप और संवेदना, संजय बुक सेन्टर, वाराणसी।

तमिलनाडु केन्द्रीय विश्वविद्यालय
हिन्दी विभाग
एम.ए. हिन्दी – चतुर्थ सत्र
वैकल्पिक प्रश्नपत्र 4(III) – छायावाद

1. **ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य** : स्वतंत्रता आन्दोलन : मुक्ति की आकांक्षा, पाश्चात्य स्वच्छन्दतावाद का प्रभाव, छायावादी काव्यान्दोलन और नामकरण।

2. **पाठ्यांश एवं व्याख्या** : जयशंकर प्रसाद – 'आँसू', 'कामायनी', निराला – 'तुलसभ्च्छास', 'बादल राग 1–2' एवं 'गीतिका' के 5 गीत, सुमित्रानन्दन पंत – 'पल्लव' ('परिवर्तन' के अतिरिक्त बीस अन्य कविताएँ), महादेवी वर्मा – 'यामा' से 30 गीत।

3. **प्रवृत्तियों का विश्लेषण** : वैयक्तिकता और अंतर्मुखता, भावात्मकता, कल्पनाशीलता और नवीन सौन्दर्य चेतना, प्रकृति प्रेम, नारी के प्रति परिवर्तित दृष्टिकोण, देशप्रेम और क्रांति की भावना, सामयिक दृष्टि : पलायनवाद का आक्षेप

4. **वस्तु और भाव जगत** : वस्तु की सीमाएँ : अतीत और भविष्य, कल्पना जगत या यूटोपिया, जीवन का वैयक्तिक पहलू, सामाजिक पक्ष की उपेक्षा, भाव जगत अन्तर्मुखता और सूक्ष्मता, भाव जगत : अनुभूति–पक्ष (मनोवैज्ञानिक) और सौन्दर्यपक्ष (ईस्थेटिक), भाव जगत का वर्गीकरण और विश्लेषण, सौन्दर्यानुभूति (प्रकृति और नारी), वैयक्तिकता सुख–दुख, पीड़ा, प्रेमभावना, रहस्योन्मुखता, राष्ट्रीय भावना, विद्रोह और क्रांति की भावना, भावानुभूति का आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पक्ष।

5. **कलात्मक अभिव्यंजना** : प्राकृतिक और अनुभूतिमूलक नवीन सौन्दर्य बोध, बिम्ब, प्रतीक और प्रस्तुत योजना, मानवीकरण, काव्य भाषा और लाक्षणिकता, मुक्त छन्द और प्रगीतात्मक नवीन रूपों का प्रयोग, छायावादी कवियों का काव्य–दृष्टि।

सहायक ग्रंथ :

1. त्रिभुवन सिंह, आधुनिक हिन्दी कविता का स्वच्छन्दधारा, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।
2. बच्चन सिंह, आधुनिक हिन्दी कविता का इतिहास, लोकभारती, इलाहाबाद।
3. नगेन्द्र, आधुनिक हिन्दी कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
4. बावरा, सी.एम., दि रोमेंटिक इमेजिनेशन, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी, लन्दन।
5. नगेन्द्र, आधुनिक हिन्दी कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
6. नन्ददुलारे वाजपेयी, आधुनिक हिन्दी साहित्य, लोकभारती, इलाहाबाद।
7. नन्ददुलारे वाजपेयी, हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी, लोकभारती, इलाहाबाद।
8. रामविलास शर्मा, नई कविता और अस्तित्ववाद, राजकमल, दिल्ली।
9. नामवर सिंह, छायावाद, राजकमल, दिल्ली।
10. रामविलास शर्मा, नई कविता और अस्तित्ववाद, राजकमल, दिल्ली।
11. सुमित्रानन्दन पंत, छायावाद : पुनर्मूल्यांकन, लोकभारती, इलाहाबाद।
12. केदारनाथ सिंह, आधुनिक हिन्दी कविता में बिम्ब विधान, भारतीय ज्ञानपीठ, वाराणसी।
13. अब्राहम एच., दि मिरर एण्ड दि लैम्प, डब्ल्यू नार्टन एं. कम्पनी।

तमिलनाडु केन्द्रीय विश्वविद्यालय
हिन्दी विभाग
एम.ए. हिन्दी – चतुर्थ सत्र
वैकल्पिक प्रश्नपत्र 4(IV) – हिन्दी कथा साहित्य

1. **पाठ्यांश एवं व्याख्या :**
   उपन्यास : 'रंगभूमि' – प्रेमचन्द, 'सुनीता' – जैनेन्द्र, 'दिव्या' – यशपाल, 'धरती धन न अपना' – जगदीशचंद्र, 'बूँद और समुद्र' – अमृतलाल नागर, 'सूखा बरगद' – मंज़ूर एहतेशाम
   कहानियाँ : चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी', प्रेमचन्द, प्रसाद, जैनेन्द्र कुमार, यशपाल, अज्ञेय, कमलेश्वर, मोहन राकेश, राजेन्द्र यादव, निर्मल वर्मा, रेणु, उषा प्रियंवदा, राजकमल चौधरी, मन्नू भंडारी, शिवप्रसाद सिंह, अमरकान्त, काशीनाथ सिंह, ज्ञान रंजन, मार्कण्डेय, उदय प्रकाश की चुनी हुई एक–एक कहानी।

2. **उपन्यास : पृष्ठभूमि एवं प्रवृत्तियाँ :** हिन्दी उपन्यास : उद्भव और विकास ; प्रेमचन्द पूर्व हिन्दी उपन्यास की प्रवृत्तियाँ ; उपन्यासकार प्रेमचन्द : कथ्य और शिल्प का वैविध्य और रचाव ; प्रेमचंदोत्तर हिन्दी उपन्यास : प्रकार और प्रवृत्तियाँ।

3. **कहानी : पृष्ठभूमि एवं प्रवृत्तियाँ :** हिन्दी कहानी का उद्भव ; प्रेमचंद पूर्व हिन्दी कहानी ; प्रेमचन्द का कहानियाँ : कथ्य, शिल्प और भाषा ; नई कहानी : ग्राम कथा और नगर–कथा ; नई कहानी : प्रयोग और उपलब्धि (कथ्य शिल्प और भाषा), समकालीन हिन्दी कहानी : कथ्य, शिल्प और भाषा।

4. **विवेचन :** निर्धारित उपन्यासों एवं कहानियों का विवेचन निम्नलिखित बिन्दुओं पर : उपन्यास एवं कहानियों की अंतर्वस्तु, उपन्यास एवं कहानियों का शिल्पगत सौष्ठव, उपन्यास एवं कहानियों की भाषिक संरचना, उपलब्धियाँ और सीमाएँ।

सहायक ग्रंथ :

1. सुरेश सिन्हा, हिन्दी उपन्यास : उद्भव और विकास, लोकभारती, इलाहाबाद
2. वाष्णेय लक्ष्मीसागर, हिन्दी उपन्यास की उपलब्धियाँ, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
3. मार्कण्डेय, कहानी की बात, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली
4. नामवर सिंह, कहानी : नई कहानी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. शिवनारायण श्रीवास्तव, हिन्दी उपन्यास, नंदकिशोर एंड ब्रदर्स, वाराणसी
6. त्रिभुवन सिंह, हिन्दी उपन्यास : शिल्प और प्रयोग, हिन्दी प्रचारिणी संस्थान, वाराणसी
7. गोपाल राय, रंगभूमि : पुनर्मूल्यांकन, अनुपम प्रकाशन, पटना
8. प्रेमचंद : जीवन और कृतित्व – हंसराज रहबर
9. रामविलास शर्मा : प्रेमचंद
10. इन्द्रनाथ मदान : हिन्दी उपन्यास पहचान और परख
11. ज्ञानचंद जैन : प्रेमचंद पूर्व हिन्दी उपन्यास

तमिलनाडु केन्द्रीय विश्वविद्यालय
हिन्दी विभाग
एम.ए. हिन्दी – चतुर्थ सत्र
वैकल्पिक प्रश्नपत्र 4(IV) – साहित्य अध्ययन की आलोचना दृष्टियाँ और हिन्दी आलोचना

साहित्य–अध्ययन की आलोचनात्मक दृष्टियाँ

1. काव्यशास्त्रीय दृष्टि
   मनोविश्लेषणवादी दृष्टि
2. ऐतिहासिक–समाजशास्त्रीय दृष्टि
   सौन्दर्यशास्त्रीय दृष्टि
3. शैलीवैज्ञानिक एवं संरचनावादी दृष्टि
   मार्क्सवादी दृष्टि
4. नई समीक्षा : विसंगति और विडम्बना, व्यापकता और गहराई, तनाव सिद्धान्त, रूपवाद
5. उत्तर–आधुनिकता, विखंडनवाद, उत्तर–संरचनावाद

सहायक ग्रंथ :

1. रस सिद्धान्त और सौन्दर्यशास्त्र : निर्मला जैन
2. हिन्दी आलोचना का विकास : नंदकिशोर नवल
3. इतिहास और आलोचना : नामवर सिंह
4. साहित्य और इतिहास–दृष्टि : मैनेजर पाण्डेय
5. नई समीक्षा : निर्मला जैन (सं)
6. कविता के नए प्रतिमान : नामवर सिंह
7. अनभै साँचा : मैनेजर पाण्डेय
8. आधुनिक हिन्दी आलोचना के बीज शब्द : बच्चन सिंह
9. हिन्दी आलोचना : विश्वनाथ त्रिपाठी
10. वाद विवाद संवाद : नामवर सिंह
11. परम्परा का मूल्यांकन : रामविलास शर्मा
12. आलोचना से आगे : उत्तर–आधुनिकतावादी और उत्तर–संरचनावादी विमर्श : सुधीश पचौरी राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली (2000)
13. स्त्री : मुक्ति का सपना : कमला प्रसाद (सं)
14. साहित्य अध्ययन की दृष्टियाँ : उदयभानु सिंह, हरभजन सिंह, रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव (सं)
15. डीकंस्ट्रक्शन बनाम विखंडनवाद : पाण्डेय शशिभूषण शीतांशु

तमिलनाडु केन्द्रीय विश्वविद्यालय
हिन्दी विभाग
एम.ए. हिन्दी – चतुर्थ सत्र
वैकल्पिक प्रश्नपत्र 5(I) – हिन्दी पत्रकारिता एवं संचार माध्यमों में हिन्दी

1. उन्नीसवीं शताब्दी में हिन्दी पत्रकारिता और साहित्य

2. प्रमुख साहित्यकार और पत्रकारिता :
   भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, प्रताप नारायण मिश्र, बालकृष्ण भट्ट, बद्रीनारायण चौधरी 'प्रेमघन'
   महावीर प्रसाद द्विवेदी और 'सरस्वती'
   भारतमित्र, चाँद, हंस (प्रेमचंद), माधुरी, विशाल भारत
   कल्पना, प्रतीक, रूपाभ, ज्ञानोदय

3. रेडियो नाटक

4. दूरदर्शन और साहित्य : तमस, नीम का पेड़, कब तक पुकारूँ, कक्काजी कहिन
   फिल्म और साहित्य : 'तीसरी कसम', 'चित्रलेखा', 'शतरंज के खिलाड़ी', 'सूरज का सातवाँ घोड़ा'

5. इंटरनेट, ब्लॉग, ट्विट

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी पत्रकारिता – कृष्ण बिहारी मिश्र
2. हिन्दी पत्रकारिता : विविध आयाम – सं. वेद प्रताप वैदिक
3. रेडियो नाटक – सिद्धनाथ कुमार
4. सिनेमा और साहित्य : हरीश कुमार, संजय प्रकाशन, दिल्ली
5. धुनों की यात्रा – पंकज राग
6. जवरीमल पारख
7. सृजन का आलोक – विनोद दास
8. 'वसुधा' का फिल्म विशेषांक
9. समयांतर का मीडिया विशेषांक
10. अर्जुन तिवारी, आधुनिक पत्रकारिता, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
11. हेरम्ब मिश्र, संवाददाता, सत्ता और महत्ता, किताब महल, इलाहाबाद।
12. रमेश कुमार जैन, समाचार सम्पादन और पृष्ठसज्जा, यूनिवर्सल, जयपुर।
13. विजय कुलश्रेष्ठ, प्रारूपण, टिप्पण एवं प्रूफपठन, अंकुर प्रकाशन, दिल्ली।
14. श्यामसुन्दर शर्मा, समाचार पत्र, मुद्रण एवं साजसज्जा, मध्यप्रदेश ग्रंथ अकादमी, भोपाल।
15. भोलानाथ तिवारी, पत्रकारिता में अनुवाद की समस्याएँ, शब्दकार प्रकाशन, नई दिल्ली।
16. रामचन्द्र तिवारी, सम्पादन के सिद्धान्त, आलेख प्रकाशन, दिल्ली।

तमिलनाडु केन्द्रीय विश्वविद्यालय
हिन्दी विभाग
एम.ए. हिन्दी – चतुर्थ सत्र
वैकल्पिक प्रश्नपत्र 5(II) – हिन्दी सिनेमा अध्ययन

1. सिनेमा : प्रकृति, स्वरूप
   सिनेमा : यूरोपीय, अमेरिकी, भारतीय, हिन्दी

2. सिनेमा और समाज : विविध आयाम
   कला सिनेमा बनाम लोकप्रिय सिनेमा
   सिनेमा : उद्योग, व्यवसाय

3. सिनेमा में साहित्य : कथा, पटकथा, गीत और संवाद

4. सिने पत्रकारिता और सिने समीक्षा
   साहित्य आधारित सिनेमा : भारत और विश्व
   हिन्दी सिनेमा और हिन्दी साहित्य

5. साहित्य का सिनेमा में रूपान्तरण : विविध परिप्रेक्ष्य
   साहित्य, सिनेमा और समाज : अन्तःसम्बन्ध और अन्तःप्रभाव
   भविष्य का सिनेमा बनाम सिनेमा का भविष्य

सहायक ग्रंथ :

1. भारतीय चलचित्र का इतिहास : फिरोज रंगूनवाला, राजपाल एंड संस, दिल्ली
2. भारतीय फिल्मों की कहानी : श्री बच्चन, राजपाल एंड संस, दिल्ली
3. हिन्दी चलचित्रों में साहित्यिक उपादान : विश्वनाथ, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी
4. सिनेमा एक समझ : सं. विनोद भारद्वाज, म.प्र.फि.वि.न.
5. सिनेमा की संवेदना : विजय अग्रवाल, प्रतिभा प्रतिष्ठान, दिल्ली
6. सिनेमा और संस्कृति : राही मासूम रज़ा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. चलचित्र, कल और आज : सत्यजित राय, राजपाल एंड संस, दिल्ली
8. भारतीय सिने सिद्धान्त : अनुपम ओझा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
9. Indian film : Barnaw, Ee, Oxford Press, New York
10. Cinema and I : Rhitwik Ghatak, Roopa Publication, Kolkata
11. How to read a Film : Monaco, James, Oxford University Press, New York
12. Ideology of Indian Cinema : Madhav Prasad, Oxford University Press, New York
13. Our films, Their films : Satyajit Ray, Oriental Longman Limited, Delhi
14. File is Art : Ernhelm Rudolm, Roopa and Company, Kolkata
15. Reflection of Indian Cinema : Ed. Shivkumar Vasudev, ICCR, Delhi

तमिलनाडु केन्द्रीय विश्वविद्यालय
हिन्दी विभाग
एम.ए. हिन्दी – चतुर्थ सत्र
वैकल्पिक प्रश्नपत्र 5(III) – पारिस्थितिकीय विमर्श और हिन्दी साहित्य

1. पारिस्थितिकी दर्शन, चिन्तन और चिन्तक

2. भारत और पारिस्थितिकीय चेतना
   i. चिन्तन परम्परा और निरूपण
   ii. आधुनिक प्रमुख पारिस्थितिक आन्दोलन
   चिपको, मूक घाटी, नर्मदा बचाओ आदि।

3. भारतीय साहित्य में पारिस्थितिकी चिन्तन
   पारिस्थितिक सौन्दर्यशास्त्र

4. हिन्दी साहित्य में प्रकृति और पर्यावरण
   परम्परा और विकास
   कविता और प्रकृति : पूर्ववर्ती काव्य
   कविता और प्रकृति : आधुनिक काव्य
   समकालीन साहित्य में पर्यावरण

5. प्रदूषण और सचेतनता : साहित्यिक अभिव्यक्ति

सहायक ग्रंथ :

1. अज्ञेय संपादित – रूपाम्बरा, भारतीय ज्ञानपीठ
2. डॉ. प्रभा कुमारी : जनसंख्या विस्फोट और पर्यावरण प्रदूषण, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008
3. सुन्दरलाल बहुगुणा : धरती की पुकार : राधाकृष्ण प्रकाशन, 2007
4. लता जोशी : पर्यावरण की राजनीति, अनामिका प्रकाशन, दिल्ली, 2001
5. बी.एल. गर्ग : पर्यावरण, प्रकृति और मानव, अजमेर प्रकाशन, 1996
6. मनीषा झा : प्रकृति, पर्यावरण और समकालीन कविता, आनंद प्रकाशन, नई दिल्ली, 1999
7. प्रेमानंद चंदोला : प्रदूषण : पृथ्वी का ग्रहण, हिमाचल पुस्तक मंडल, दिल्ली, 2008
8. अरुंधतीराय (अनु. प्रियदर्शन) : बहुजन हिताय, राजकमल प्रकाशन, 1999
9. कमलकान्त काबरा : भूमंडलीकरण विचार नीतियाँ संकल्प, प्रकाशन संस्थान, 2005
10. प्रो. हरिमोहन : मानव अधिकार और पर्यावरण संतुलन, वाणी – 2007
11. Man and Nature : George Pankins, Howard University Press – 1.
12. The Time for Ecofeminism: *Françoise* D'Eaubonne, Tr. Ruth A. Hottell , 1994.

तमिलनाडु केन्द्रीय विश्वविद्यालय
हिन्दी विभाग
एम.ए. हिन्दी – चतुर्थ सत्र
वैकल्पिक प्रश्नपत्र 5(IV) – नाटक और रंगमंच

1. **नाटक का मिश्रित स्वरूप** : नाटक तथा अन्य साहित्यिक विधाएँ, नाटक : पाठ्य या अभिनेय, नाटक तथा साहित्येत्तर कलाएँ – नृत्य, संगीत, वाद्य आदि, नाटक का सामाजिक महत्व।

2. **रंगमंच** : (भारतीय और पाश्चात्य) : रंगमंच की अवधारणा, रंगमंच के प्रकार (प्राचीन), रंगमंच के प्रकार (आधुनिक), रंगशिल्प–रंगसज्जा, ध्वनि–संकेत आदि, रंगमंच, रेडियो और दूरदर्शन।

3. **लोकमंच** : नौटंकी, भवाई, स्वांग, यात्रा, यक्षगान, एष्स, तमाशा, रामलीला, कठपुतली आदि।

4. **अभिनय** : भारत की अभिनय–पद्धति–आंगिक, वाचिक, आहार्य (अलंकरण, अंगरचना, वेशधारणा), सात्विक, आधुनिक अभिनय (पाश्चात्य) – गेटे के अभिनय–नियम, स्तानिस्लाव्स्की का यथार्थवाद, क्रेण का व्याख्यात्मक अभिनय, ब्रेश्ट का एप्रिक थिएटर और अलगाववादी प्रभाव।

5. **नाटक की भाषा** : नाटक तथा नाटकेत्तर साहित्य – विधाओं की भाषा, भाषा की नाट्यमानता, नाट्यमान शब्द तथा अभिनय (सहभाषा), नाट्यभाषा का अन्तर्निहित पाठ, नाट्यभाषा और नाट्यबिम्ब

सहायक ग्रंथ :

1. सीताराम चतुर्वेदी, अभिनव नाट्यशास्त्र, किताब महल, इलाहाबाद।
2. सीताराम चतुर्वेदी, भारतीय और पाश्चात्य रंगमंच, हिन्दी समिति, लखनऊ।
3. बलवन्त गार्गी, रंगमंच, लोकभारती, इलाहाबाद।
4. लक्ष्मीनारायण लाल, हिन्दी रंगमंच की भूमिका, राजकमल, दिल्ली।
5. सेलान, चेनी, (अनु.) श्रीकृष्णदास, रंगमंच, हिन्दी समिति, लखनऊ।
6. अज्ञात, भारतीय रंगमंच का विवेचनात्मक इतिहास, पुस्तक संस्थान, कानपुर।
7. लक्ष्मीनारायण लाल, हिन्दी पारसी रंगमंच, राजपाल एंड संस, दिल्ली।
8. कांस्टेन्टिन स्तानिस्लाव्स्की, माई लाइफ इन आर्ट, फारेन लैंग्वेज पब्लिशिंग हाउस, मास्को।
9. बर्तोल्त ब्रेश्त, ब्रेश्त ऑन थिएटर, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
10. इन्द्रनाथ मदान, हिन्दी नाटक और रंगमंच, लिपि प्रकाशन, दिल्ली।
11. नेमिचन्द्र जैन, रंगदर्शन, अक्षर प्रकाशन, दिल्ली।
12. सीताराम चतुर्वेदी, अभिनव नाट्यशास्त्र, हिन्दी समिति, लखनऊ।
13. गोविन्द चातक, नाट्यभाषा, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
14. सुरेश अवस्थी, हे सामाजिक, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय
15. सिद्धनाथ कुमार झा, नाटकालोचन के सिद्धांत, वाणी प्रकाशन
16. देवेन्द्रराज अंकुर, अंतरंग बहिरंग, राजकमल प्रकाशन

तमिलनाडु केन्द्रीय विश्वविद्यालय
हिन्दी विभाग
एम.ए. हिन्दी – चतुर्थ सत्र
वैकल्पिक प्रश्नपत्र 5(V) – हिन्दीतर क्षेत्रों का हिन्दी साहित्य
(अखिल भारतीय और प्रवासी)

1. भारत में हिन्दीतर क्षेत्र में हिन्दी का इतिहास : विस्तार और प्रसार (मध्ययुगीन और आधुनिक साहित्य)

2. प्रमुख साहित्यकार और प्रवृत्तियाँ

3. समकालीन लेखन :
   अरविन्दाक्षन – कविता – 'बाँस का टुकड़ा'
   एम. शेषन – (कोई निबंध या लेख)
   आरिगपूडि रमेश चौधरी – 'धन्य भिक्षु'
   आलूरि बैरागी चौधरी – कविता – 'फूटा दर्पण'
   विश्वनाथ अय्यर – 'अभय कुमार की आत्मकथा'

4. **हिन्दी का प्रवासी साहित्य**
   प्रवासी हिन्दी साहित्य की अवधारणा
   प्रवासी हिन्दी साहित्य का इतिहास और विस्तार

5. प्रमुख प्रवासी हिन्दी साहित्यकार और कृतियाँ

   कृति
   अभिमन्यु अनत – 'लाल पसीना'

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का वृहद इतिहास, पंचम भाग (सं. – डॉ. नगेन्द्र)
2. हिन्दी साहित्य को हिन्दीत्तर भाषियों की देन – मलिक मुहम्मद
3. हिन्दी का प्रवासी साहित्य – कमल किशोर गोयनका।

तमिलनाडु केन्द्रीय विश्वविद्यालय
हिन्दी विभाग
एम.ए. हिन्दी – प्रथम सत्र
वैकल्पिक प्रश्नपत्र 5(VI) – तमिल साहित्य का इतिहास

1. तमिल भाषा, संस्कृति और कालविभाजन : ''तमिल'' शब्द की उत्पत्ति एवं प्राचीनता, तमिल भाषा का ऐतिहासिक विकास, तमिल का शब्द भण्डार, तमिल भाषा पर अन्य भाषाओं का प्रभाव, तमिल संस्कृति, तमिल साहित्य का काल विभाजन।

2. **पूर्व संधिकाल** – कालनिर्णय की समस्या – तोल्काप्पियम, संघमकाल – तीन संघम–पाट्टु और तोके – संघम साहित्य का वैशिष्ट्य – तमिल साहित्य का स्वर्णयुग, संघम – उत्तरकाल–नैतिक काव्य रचना तिरुक्कुरल अट्ठारह लघु संग्रह – महाकाव्य का विकास – शिलप्पविकारम व मणिमेखले, पल्लव काल – धार्मिक सामाजिक परिस्थितियाँ – शैव धर्म–संत और उनका काव्य – प्रमुख नायन्नारः तेकारम – तिरूवाचकम : उनकी रचनाओं में धर्म, दर्शन और साहित्य, वैष्णव सम्प्रदाय का विकास – दस आलवार – नालाचरित दिव्य प्रबंधम – उसमें धर्म, दर्शन और साहित्य, बौद्ध और जैन सम्प्रदाय – तमिल साहित्य के विकास में बौद्धों व जैनों का योगदान।

3. **चोलकाल** – शैव और वैष्णव धर्मों का प्रचार, आचार्य और लक्षणग्रंथ – पाँच महाकाव्यों की रचना – कम्बरामायणम – पाँच छोटे प्रबंधों की रचना तिरूमुरै के अन्य कवि, व्याख्याकाल – संघ काव्यों की व्याख्याएँ – शैव वैष्णव टीका ग्रंथ, दार्शनिक ग्रंथों का निर्माण–व्याकरण और काव्य शास्त्र संबंधी ग्रंथ और टीकाकारों – शैव सिद्धान्त और शैव मठ – इस्लाम के कवि और उनकी देन, यूरोपीय प्रभाव काल – तमिल में गद्य साहित्य का विकास; यूरोपीय विद्वानों की तमिल साहित्य की सेवा – इसाई तमिल विद्वान – तमिल विद्वान – तमिल में गद्य और पद्य के आधुनिक युग का प्रारम्भ।

4. **आधुनिक तमिल कविता की विविध प्रवृत्तियाँ** : भारतीयार, देशिक, विजयगम पिल्लाई, भारतभ्च्छासन, नामक्कल, रामलिंगम पिल्लाई, तमिल कहानी की प्रवृत्तियाँ – पटुमैपित्तन, कु.पा. राजगोपालन, कल्की, राजाजी अरूणादुरै आदि कहानी – लेखिकाएँ, तमिल उपन्यास की प्रवृत्तियों–ऐतिहासिक–सामाजिक–प्रगतिशील अनूदित उपन्यास – उपन्यास लेखिकाएँ, तमिल नाटक की प्रवृत्तियाँ, तमिल में साहित्योलोचन और अनुसंधान कार्य, तमिल भाषा संबंधी भाषा वैज्ञानिक कार्य।

5. **अनुशिक्षण और स्वशिक्षण**
   i. **अनुशिक्षण** : तिरुक्कुरल या कंबराभाषणम के वैशिष्ट्य का अध्ययन।
   ii. **स्वशिक्षण** : तमिल से हिन्दी में अनूदित किन्हीं दो श्रेष्ठ रचनाओं का अध्ययन।

सहायक ग्रंथ :

1. अरुणाचलम एम.एन., इंट्रोडक्शन टू दि हिस्टरी ऑफ तमिल लिटरेचर, चिदम्बरम, गांधी विद्यालय।
2. कनकसमे, वि. दि तमिल्स एट्टीन हंड्रेड इयर्स एगो, मद्रास, कषकम।
3. सोमसुंदरम पिल्ले, जे.एम., ए हिस्टरी ऑफ तमिल लिटरेचर।
4. जॉर्ज, के.एम., कंपेरेटिव इंडियन लिटरेचर, मद्रास, मैकमिलन कंपनी।
5. A History of Tamil Literature, Dr. Mu. Varadarajan (Hindi Translation) Sahitya Academy.
6. A History of Tamil Literature, Dr. T.P. Meenakshi Sundaran Translation in Hindi.
7. Jothimuthu P. 1975, *A Guide to Tamil*, Madras Christian Literature Society, Chennai.
8. Kothandaraman Pon.1975, *A Course in Modern Standard Tamil*, International Institute of Tamil Studies, Chennai.
9. Kumaraswamy Raja and Doraswamy R.1966 *Conversational Tamil*, Annamalai University, Annamalai Nagar.
10. Shanmugham Pillai.M, 1965, *Spoken Tamil* Part 1, Annamalai University, Annamalai Nagar.
11. Shanmugham Pillai., 1968, *Spoken Tamil* Part-2, Annamalai University, Annamalai Nagar.